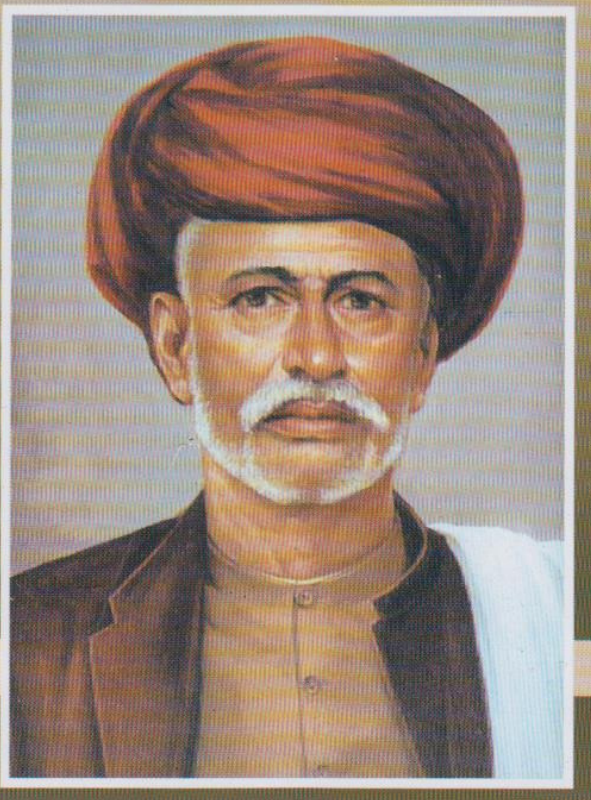

महात्मा जोतीराव फुले
दर्शन एवं चिन्तन

डॉ. योगमाया

राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर

विषयानुक्रमणिका

अध्याय		पृष्ठ संख्या
1.	**विषय-प्रवेश**	1 - 5
	• विषय की व्याख्या	
	• अध्ययन का महत्त्व एवं क्षेत्र	
2.	**तत्कालीन समाज**	6 - 23
	• ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	
	• राजनीतिक स्थिति	
	• शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक स्थिति	
	• सामाजिक जीवन	
	• सुधारवादी आन्दोलन	
	• धार्मिक स्थिति	
	• आर्थिक स्थिति	
3.	**जीवन एवं प्रेरणा स्त्रोत**	24 - 50
	• जीवन परिचय- बाल्यकाल, शिक्षा- दीक्षा, क्रान्ति की तैयारी	
	• प्रेरणा स्त्रोत - मार्टिन लूथर, थामस - पेन, जार्ज वाशिंगटन, शिवाजी	
	• विश्व के विभिन्न स्वतन्त्रता आन्दोलनों एवं क्रान्तियों का प्रभाव	
	(i) अमेरिकी स्वतंत्रता आन्दोलन	
	(ii) दास प्रथा की समाप्ति के लिये लड़े गये अमेरिकी गृह युद्ध एवं नीग्रो आन्दोलन	
	(iii) फ्रांस की राज्य क्रान्ति	
	(iv) इंग्लैण्ड की औद्योगिक क्रान्ति	
	• बौद्ध धर्म एवं बुद्ध दर्शन का प्रभाव	
	• पाश्चात्य शिक्षा का प्रभाव	

4. समाज 51 - 89
- सामाजिक दासता के विरुद्ध विद्रोह
- सत्यशोधक समाज की स्थापना
- सांस्कृतिक विद्रोह
- कुरीतियों एवं कुप्रथाओं के विरुद्ध संघर्ष
- किसानों व मजदूरों की समस्याओं पर विचार

5. शिक्षा 90 - 113
- शिक्षा - दलित एवं स्त्री शिक्षा
- साहित्यिक लेखन व रचनाएँ

6. अध्यात्म 114 - 129
- चातुर्वर्ण्य व्यवस्था पर प्रहार
- सार्वजनिक सत्यधर्म का प्रवर्त्तन
- हिन्दुत्व एवं जोतीराव फुले

7. मानव-अधिकार 130 - 135
- उपेक्षित लोगों की शासन में भागीदारी
- स्वतन्त्रता से पूर्व शोषण की समाप्ति
- मानवाधिकारों संबंधी दृष्टिकोण

8. समकालीन विचारक एवं समाज सुधारक 136 - 172
- जोतीराव फुले एवं मार्क्स
- फुले एवं 19वीं व 20वीं शताब्दी के अन्य विचारक - राजा राममोहन राय, दयानन्द सरस्वती, महादेव गोविन्द रानाडे, बाल गंगाधर तिलक, विवेकानन्द, महात्मा गाँधी, डॉ. भीमराव अम्बेडकर
- क्रान्ति ज्योति - सावित्री बाई फुले

9. उपसंहार एवं निष्कर्ष 173 - 190

10. सन्दर्भ ग्रन्थ सूची 191 - 193

⌟⌟⌟